


6-624

पत्रावली पेशा दुई वकील हार्थी इयाविरत विपक्षीयता
 के तम्मन बाद तामिल होर उअर दुए जिसे २१०००
 डिने शये। विपक्षीयता को डिक्की मतवा कड कड कर
 आवणे उिलायी जाने के बाद भी इयाविरत नही सने, पिकर
 एक तरफा कार्यवाही दिये जाने का थोडेश दिया जाना है
 वकील प्रापी का प्राप्प रबीकर डिवा जाइर निर्णय पण्ड
 से दिख्य जानर २१००० डिवा नया। पत्रावली केवल शर
 होर नन्वर से बन है।


 उपखण्ड अधिकारी
 नंदा मिता मंडल



सीन अधिकारी- मनोज आर.ए.एस.

क्रमा संख्या - 194/24 प्र.पत्र

श्री सुरेन्द्र सिंह s/o गणपत सिंह बाणपूरत जिगसी- कैरिया तहसील-माण्डल

प्राप्त

बनाम

श्री पतसिंह s/o गणपत सिंह बाणपूरत जिगसी- कैरिया तहसील-माण्डल (कौरा)
(सहसंकित 3A का सल))

--दिपही

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांक:- 06-06-24

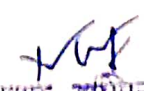
::आदेश::

श्री ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि **देवीपुरा** पटवार इल्का **कैरिया** तहसील माण्डल में उसके खाते /संयुक्त खाते की नं० **02** कुल कित्ता **01** रकबा **3.2881** हेक्टेयर स्थित है। बादप्रस्त भूमि पंजीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आधे दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता है। जिसमें प्रार्थी अपने खाते/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावे।


प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक **23.5.24** को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को कनार्थ से यह बात सिद्ध है कि बादप्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काशत काशत की होने से पत्थरगढी कराने का री है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यों को देखते हुए क की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पत्र रवीकार योग्य है।

::आदेश::

का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का रवीकार किया जाकर प्राग **देवीपुरा** पटवार **कैरिया** तहसील माण्डल में उसके खाते/संयुक्त खाते की आराजी नं० **02** कित्ता **01** रकबा **3.2881** हेक्टेयर भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू-अभिलेख निरीक्षण **क.आत्मसा** **14.00** रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षाकरण की मौजूदगी में मौके व कब्जे थास्थिति को बनाये रखते हुए मुरतकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जावे। फराल खड़ी होने पर ाढी नहीं की जावे।


उपखण्ड अधिकारी
माण्डल मालवा

पि:- तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा शशि जमा कराने पर निम्नानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।


उपखण्ड अधिकारी
माण्डल मालवा